आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 28-06-2014

बाबा ने आज की मुरली में हमें बार-बार हमारे इस अमूल्य ब्राह्मण जीवन के लक्ष्य को याद दिलाया और हमें देवी-गुणों धारण करने के लिए पुरुषार्थ करने को कहा.

हम सब ब्राह्मण जानते हैं, हमारा लक्ष्य हैं - लक्ष्मी-नारायण जैसा सर्वगुण सम्पन्न, सोले कला संपूर्ण, संपूर्ण निर्विकारी देवी-देवता सतयुग में बनना हैं. लेकिन इसके लिए देवी-गुणों स्वयं में धारण करने का पुरुषार्थ अभी संगमयुग में करना हैं. और हमारी आत्मा देवी-गुण तब धारण कर पायेगी, जब हम अपने मन-वचन-कर्म से किसी भी अन्य आत्मा को या प्रकृति को दुख नहीं देंगे या उनसे स्वयं को दुखी नहीं होने देंगे.

बाबा ने कहा हैं सदा अपने लक्ष्य को सामने रुखों, तो लक्षण आते जायेंगे. बाबा ने आज की मुरली में हमारे लक्ष्य को बार-बार याद दिलाया हैं उसे ही हम फिर से रिपिट करेंगे.

- बाप क्या कर रहे हैं और बच्चे क्या कर रहे हैं? बाप भी जानते हैं और बच्चे भी जानते हैं कि हमारी आत्मा जो तमोप्रधान बन गई हैं, उनको सतोप्रधान (देवी-देयताओं जैसी) बनना हैं. जिसको गोल्डन एजड कहा जाता हैं.

- बाबा आत्माओं को ही देखते हैं. आत्मा को ही ख्याल हैं कि हम आत्माये काली बन गयी हैं. आत्मा के कारण फिर शरीर भी काला बन गया हैं. (प्रकृति-यानी-शरीर पुरुष-यानी-आत्मा को फोलो करती हैं).

- अभी तो लक्ष्मी-नारायण के मंदिर में जायेंगे तो समझेंगे हम तो पहले ऐसे सर्वगुण सम्पन्न थे, अभी काले पतित बन गये हैं.

- शादी करते हैं तो पहले लक्ष्मी-नारायण के मंदिर में ले जाते हैं. दोनों पहले निर्विकारी थे अब विकारी बनते हैं. आत्मा विकार में जाने से ही मंदिर में जाकर निर्विकारी लक्ष्मी-नारायण कि महिमा करते हैं.

- अभी तुम गोरा बनने के लिए कंगन बाँधते हो इसलिए गोरा बनाने वाले शिवबाबा को याद करते हैं.

- तुम बच्चे भी बाप को देख-देख समझते हो पवित्र बन जायें. तो फिर हम ऐसे लक्ष्मी-नारायण बनेंगे. यह ऐम ओबजेक्ट बच्चों को बहुत खबरदारी से याद रखनी हैं.

- ऐसा लक्ष्मी-नारायण बनना कोई मासी का धर नहीं हैं. अभी तुम समझते हो हम इन (लक्ष्मी-नारायण) जैसा बन रहे हैं. परन्तु माया ऐसी हैं जो भुला देती हैं.

- तुम जानते हो हमको यह (लक्ष्मी-नारायण) बनना हैं. बाप ही बनायेंगे. दूसरा कोई मनुष्य से देवता बना न सके. एक बाप ही बनाने वाला हैं. इसलिए गायन भी हैं मनुष्य से देवता....

- बाबा समझाते हैं, शुरु में यह थे सतोप्रधान ख़ूबसूरत. प्रजा भी सतोप्रधान बन जाती हैं लेकिन सजायें खाकर बनती हैं. जितनी जास्ती सज़ा उतना पद कम होता जाता हैं.

- तुम यहॉ बैठे हो गोरा (लक्ष्मी-नारायण) जैसा बनने के लिए.

- अभी तुम बच्चों का यह टाइम मोस्ट वेल्युबुल हैं. पुरुषार्थ करना चाहिए पूरा, हमको ऐसा (लक्ष्मी-नारायण) जैसा बनना हैं.

- जन्म-जन्मांतर प्रतिज्ञा करते आये हो - बाबा, आप आयेंगे तो हम आपकी मत पर ही चलेंगे, पावन बन देवता बन जायेंगे.

- जिसने जितना याद किया होगा, दैवी-गुण धारण किया होगा, उनकी ही जोड़ी बनेंगी.

- अभी आत्मा में अलाए पड़ा हैं. उसको निकाल फिर सच्चा सोना बनते हैं. आत्मा को बहुत प्योर बनना हैं. तुम्हारी ऐम ऑबजेक्ट क्लीयर हैं.

- बाप समझाते हैं, तुम्हारा उद्देश्य हैं यह (लक्ष्मी-नारायण) बनने का. तुम्हारे पास बैज भी हैं.

- जितना बाप को याद करेंगे उतना विजयी बनेंगे. ऐम ऑबजेक्ट हैं ही ऐसा (लक्ष्मी-नारायण) बनने के लिए.

- ज्ञान मार्ग में सब हैं रियल, भक्ति में हैं इमीटेशन. सिर्फ साक्षात्कार किया, बना थोड़े ही. तुम तो बनते हों. जो साक्षात्कार किया हैं, वह फिर इन आंखों से देखेंगे. ॐ शांति.